रादौर-भूतमाजरा(हरियाणा)। कृषि व किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा को ईश्वरीय स्मृति चिन्ह व शिव संदेश भेंट करते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. राज। साथ हैं ब्र.कु. राजू।

कोटा-कुन्हाडी(राज.)। कोटा जंक्शन में आयोजित शिवरात्रि कार्यक्रम के अवसर पर कोटा दक्षिण के विधायक संदीप शर्मा को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. उर्मिला दीदी। साथ हैं ब्र.कु. प्रीति।

साइलेंस... एक पॉवरफुल मेडिसिन

राजयोगिनी ब्र.कु. उषा बहन,
वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका

बाबा का साथ हमें हर बाहरी बातों से सेफ रखता

- गतांक से आगे...

पिछले अंक में आपने पढ़ा कि ये जो सारे रिश्ते हैं और उन रिश्तों के प्रति जो तुम्हारी, समझता है कि ये पहला होना चाहिए मेरा, ये मेरा पहला धर्म है, नहीं। बाबा कहे पहला धर्म है तुम्हारा ईश्वर के प्रति। अब आगे पढ़ेंगे...

एक मम्मा की वाणी सुनी मैंने, तो उसमें मम्मा ने कहा कि एक होती है श्रीमत, गुरूमत, परमत, मनमत, शास्त्रमत ये सारी मतें हैं ना! अगर इनको पहला धर्म समझा तो भटक जायेंगे। इसीलिए श्रीमत एक ही है हमारे लिए और उस श्रीमत की ही पटरी पर हमें अपनी गाड़ी को चलाते जाना है। जब इस तरह से सर्व सम्बन्ध बाबा के साथ हमारे जुड़ जायेंगे तो बाबा के साथ सर्व सम्बन्ध जुड़ने से क्या होगा? हमारे सर्व धर्म बाबा के साथ हो गए तो स्वीट साइलेंस का अनुभव करना बहुत सहज हो जाएगा। दुनिया में दो व्यक्ति, जैसे बाबा कई बार मिसाल देते हैं आशिक-माशूक का कि ये दो व्यक्ति भी भले साथ में दो पलों के लिए भी मिल जाएं, कुछ बातचीत भी न करें लेकिन एक साथ होने पर भी सुकून का अनुभव करते हैं। ठीक इसी तरह कभी-कभी बाबा के साथ बैठ जाओ और जब बैठ जाते हैं तो अशरीरी होकर बैठते हैं परमधाम में, वहाँ कोई वार्तालाप नहीं है। लेकिन एक स्वीट साइलेंस, जिस साइलेंस में भी एक सुकून का अनुभव हो रहा है। प्राप्तियां हो रही हैं, भरपूरता अन्दर में आ रही है। सम्पन्न बनते जा रहे हैं और वो बाबा का सानिध्य कहो, साथ कहो वही हमें हर प्रकार की बाहरी बातों से सेफ रखते हैं और धर्म को निभाने थोड़ा ऊपर-नीचे हुआ भी तो भी क्या बाबा करेगा? जादू का खेल कर लेगा और ऐसा अनुभव होगा जैसे कि नहीं तो एक बहुत बड़ी मिसअंडरस्टैंडिंग क्रिएट हो जाती, उससे बाबा ने पहले ही बचा दिया। तो ये कई बार अनुभव करते हैं कि जब बाबा को पहला प्रेफरेंस दिया तो सब काम अपने आप होने लगते हैं। कभी-कभी आप भूल गये होते हैं तो वो काम भी बाबा पूरा कर देता है।

मुझे याद आता है दादी जी का एक इंस्टिंट, प्रकाशमणि दादी जी कहीं जा रहे थे। तो उस समय जब गाड़ी यहाँ से चली और महेसाणा के पहले-पहले गाड़ी खराब हो गई। दूसरी गाड़ी साथ में थी नहीं। एक ही गाड़ी चल रही थी। और गाड़ी एकदम खराब हो गई। फ्लाइट भी पकड़नी थी। तो हाई वे पर जब गाड़ी खराब हुई तो हमने कहा कि हमें मेहसाणा तक पहुंचा दो आप, फिर वहाँ से हमारी फ्लाइट है। तो कोई थे बाहर के लोग उन्होंने कहा कि ठीक है हम जानते हैं और पहुंचा देते हैं। तो दादी जी को, मोहिनी दीदी जी को पहुंचा दिया। तीन लोग थे। वहाँ मेहसाणा सेंटर पर कोई गाड़ी नहीं थी उस समय और दादी को फ्लाइट पकड़नी थी। दो भाई जो क्लास में आते थे उनके पास गाड़ी थी। तो बहनजी ने उन दोनों भाइयों को फोन किया। पहले को फोन किया तो कहा कि मैं तो आउट ऑफ स्टेशन हूँ, यहाँ हूँ ही नहीं। तो दूसरे भाई को फोन किया तो उसने कहा मेरी आज केस की डेट है। मुझे कोर्ट पहुंचना बहुत ज़रूरी है। कहा दादी को अहमदाबाद छोड़ना है एयरपोर्ट पर। वो सोच में पड़ गया कि आज डेट है, आज नहीं पहुंचा तो केस हार जाएंगे। लेकिन फिर भी उसने सोचा कि नहीं, दादी को पहुंचा देते हैं। केस का देखा जायेगा, हार गए तो हार गए। तो फिर भी उसने कहा कि ठीक है बहनजी मैं छोड़ के आता हूँ।

उसने अपने छोटे भाई को बुलाया और कहा कि तू कोर्ट में पहुंच जा। अब छोटे भाई को मालूम ही नहीं कि केस किस चीज़ का है। कहा कि अगर कुछ पूछेंगे तो मैं क्या जवाब दूंगा। कहा कि कुछ मालूम नहीं तो कोई बात नहीं तू खड़ा हो जा हमारी तरफ से बस। फिर देखेंगे जो भी होगा। और ये भाई चला गया दादी को छोड़ने। गये और आये तो बाबा ने ऐसा काम किया जो सारा केस पलटी हो गया और पलटी होकर इनके फेवर में आ गया। और केस जीत गए।

नाहाज़िर रहने पर भी केस जीत गए तो क्या कहेंगे? बाबा ने किया। यही कहते हैं ना कि बाबा ने किया। लेकिन कैसे किया बाबा ने? सर्वधर्म परित्यज्य, एक बाबा की शरण में आये तब बाबा ने काम किया। -क्रमशः

नई दिल्ली। रेडिसल ब्लू होटल में सुप्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे से स्नेहभरी मुलाकात कर उन्हें संस्था की गतिविधियों से अवगत कराने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए डॉ. ब्र.कु. दीपक हरके, डॉ. ब्र.कु. सुरेन्दर गोयल एवं ब्र.कु. विकास।

दुल्लहपुर-वाराणसी(उ.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ मऊ जिला मुख्यालय संचालिका ब्र.कु. विमला दीदी के नेतृत्व में नवनिर्मित राजयोग उपसेवाकेन्द्र का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए मऊ जिला के वरिष्ठ समाजसेवी एवं प्रधान संघ के अध्यक्ष अजय जायसवाल, फतेहपुर ग्राम के प्रधान राजेन्द्र कनौजिया, रामधारी चौहान,महाविद्यालय,खिरियाबस्ती, मऊ के प्रबंधक प्रतिनिधि सूर्यकांतेश चौहान, ब्र.कु. गोमा बहन,मुहम्मदाबाद गोहना, ब्र.कु. गीता,चिरैयाकोट, ब्र.कु. रीता,मधुबन, ब्र.कु. आरती,घोसी, ब्र.कु. विपिन,वाराणसी ज़ोन, ब्र.कु. अमरजीत,माउंट आबू तथा अन्य। मौके पर उपस्थित रहे आर्टिस्ट योगेश रतन चक्रवाल व प्रयागराज हाईकोर्ट के अधिवक्ता विवेकानंद।

बलिया-उ.प्र.। 89वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती के अवसर पर शिव ध्वजारोहण करते हुए सहायक राजस्व अधिकारी सुभाष यादव, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. उमा दीदी, ब्र.कु. सुरेश बहन, ब्र.कु. सुमन बहन तथा अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें।

करनाल-हरियाणा। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर ब्रह्माकुमारीज़ सेक्टर 7 में आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए विधायक जगमोहन आनंद, हरियाणा वेलफेयर सोसाइटी स्पीकिंग एंड हियरिंग की चेयरमैन श्रीमती मेघा भंडारी, आर्ट एंड कल्चर विंग की नेशनल को-ऑर्डिनेटर राजयोगिनी ब्र.कु. प्रेम दीदी, उत्तराखंड के डायरेक्टर राजयोगी ब्र.कु. मेहर चंद, ब्र.कु. प्रभा मिश्रा,माउंट आबू, ब्र.कु. उषा दीदी,असंध, ब्र.कु. संगीता,नीलोखेड़ी तथा अन्य।

मालपुरा-राज.। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कार्यक्रम में नगरपालिका चेयरपर्सन सोनिया सोनी को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. जीत बहन।

पंचवटी कॉलोनी-पटना सिटी(बिहार)। राजयोगिनी दादी निर्मल पुष्पा(कुंज दादी) की 12वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. रानी तथा अन्य।

आमेट-राज.। हीरा देवपुरा राजकीय महाविद्यालय में युवा दिवस पर स्वामी विवेकानंद के गुणों पर प्रकाश डालने के पश्चात् महाविद्यालय के प्रिंसिपल रामकेश मीणा को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. गौरी, ब्र.कु. पूनम तथा अन्य प्रोफेसर।

हरपाल नगर-हाथरस(उ.प्र.)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य पर मंगलायतन विश्वविद्यालय में आयोजित संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह कार्यक्रम के पश्चात् समूह चित्र में स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. हेमलता बहन, ब्र.कु. वन्दना,हाथरस, मंगलायतन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पीके दशोरा, एल.बी.के. पब्लिक स्कूल सहनिदेशिका प्रियंका अग्रवाल, राजकीय कन्या इंटर कॉलेज की उप प्रधानाचार्य आरती वर्मा, डीन एकेडमिक प्रो. राजीव शर्मा, डीन प्रो. रविकान्त, कार्यक्रम संयोजिका प्रो. मनीषा शर्मा, ग्राम प्रधान नयावास वर्षा दिवाकर, डॉ. स्वाति अग्रवाल, डॉ. पूनम रानी तथा अन्य अतिथिगण।